शर्मीलेपन की दवा

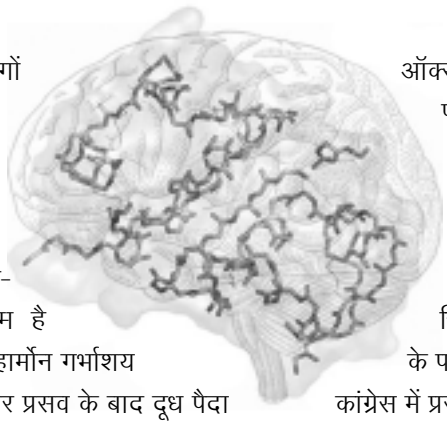

यह देखा गया है कि कुछ लोगों को सामाजिक मेल-जोल से बहुत घबराहट होती है। वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि उन्होंने इसके लिए एक दवा खोज निकाली है।

दरअसल यह दवा एक जाना-माना हार्मोन है जिसका नाम है ऑक्सीटोसिन। सामान्यतः यह हार्मोन गर्भाशय के संकुचन में मदद करता है और प्रसव के बाद दूध पैदा करने में भी सहायक होता है। आपने शायद सुना होगा कि कई पशुपालक ज़्यादा दूध प्राप्त करने के लिए गाय-भैंस को इंजेक्शन लगाते हैं। यह इंजेक्शन ऑक्सीटोसिन का ही होता है। तो अब ऑक्सीटोसिन शर्मीलेपन को भी दूर करेगा। वैसे इस हार्मोन के बारे में कहा जाता है कि यह आपको दूसरों पर भरोसा करने में भी मदद करता है।

ज़्यूरिश विश्वविद्यालय के मार्कस हाइनरिख्स और उनके साथी 70 ऐसे लोगों का अध्ययन कर रहे थे जिनमें सामाजिक मेलजोल को लेकर बहुत घबराहट थी। वे किसी भी सामाजिक परिस्थिति में ज़रूरत से ज़्यादा सचेत हो जाते थे।

हाइनरिख्स और उनके साथियों ने किया यह कि उन्हें सामान्य व्यवहारगत उपचार से आधा घण्टा पहले ऑक्सीटोसिन सुंघा दिया। इसके प्रारंभिक परिणामों से पता चलता है कि ऑक्सीटोसिन की खुराक के बाद ये लोग उपचार सत्र में रोल प्लेईंग के प्रति ज्यादा उत्सुक हो गए थे। इसके अलावा इन सत्रों के बाद भी वे सामाजिक स्थितियों में ज़्यादा सहज थे। इस अध्ययन के परिणाम ऑस्ट्रेलिया में वर्ल्ड न्यूरोलॉजी कांग्रेस में प्रस्तुत किए गए थे।

इसी के साथ हाइनरिख्स और उनके साथियों ने एक अध्ययन और किया। उन्होंने दिमाग पर ऑक्सीटोसिन के असर को परखा। देखा गया कि ऑक्सीटोसिन एमिग्डेला की प्रतिक्रिया को कम कर देता है। एमिग्डेला दिमाग का वह भाग है जो डर की प्रतिक्रिया के लिए ज़िम्मेदार है। प्रयोग के दौरान देखा गया कि ऑक्सीटोसिन के सेवन के बाद इन लोगों में डर की बजाय खुशी या गुस्से के भाव पैदा होते हैं। *बॉयोलॉजिकल साइकिएट्री* नामक शोध पत्रिका में इस निष्कर्ष के आधार पर हाइनरिख्स का कहना है कि शायद एमिग्डेला पर असर के चलते ही ऑक्सीटोसिन लोगों को सामाजिक मेल मिलाप के प्रति ज़्यादा सहज बनाता है। ***(स्रोत विशेष फीचर्स)***